सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आवास का आवंटन

2520. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आवास के आवंटन के लिये सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं, लेखकों आदि से प्राप्त हुए कितने आवेदन शहरी विकास मंत्रालय में कब से लम्बित पड़े हुये हैं और पिछली बार ऐसा आवंटन कब किया गया था ;

(ख) अब तक ऐसे आवंटन किस आधार पर किये गये हैं और ये आवंटन जिन प्राधिकारियों की सिफारिशों पर किये गये, उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या यह सच है कि उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित व्यक्तियों को आवंटन उनके दल संबंधों के कारण नहीं किये जा रहे हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : (क) से (ग) सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा लेखकों जैसे राष्ट्रीय महत्व के उपयोगी कार्य में कार्यरत व्यक्तियों को आवंटन के लिये सामान्य पूल आवास का विशेष कोटा उद्दिष्ट किया गया है । इन व्यक्तियों को आवंटन संबंधित मंत्रालयों की सिफारिश पर किया गया जाता है अर्थात् सामाजिक कार्यकर्ताओं को आवंटन समाज कल्याण विभाग द्वारा संबंधित मंत्री के अनुमोदन से की गई सिफारिश पर किया जाता है ।

जहां तक राजनैतिक कार्यकर्ताओं का संबंध है, उनके मामलों में आवंटन के लिये कोई विशेष कोटा उद्दिष्ट नहीं किया गया है । तथापि, स्वतंत्रता सैनानियों को आवंटन गृह मंत्रालय द्वारा गृह मंत्री के अनुमोदन से की गई सिफारिश पर किया जाता है ।

इन मामलों में लम्बित पड़े आवंदन पत्रों की संख्या इस प्रकार है :—

श्रेणी	लम्बित पड़े आवेदन पत्रों की संख्या
1. सामाजिक कार्यकर्ता	15
2. विविध श्रेणी अर्थात् राष्ट्रीय महत्व के कार्य में कार्यरत व्यक्ति, जैसे कि लेखक आदि	6
3. स्वतन्त्रता सेनानी	29

इन श्रेणियों में अंतिम आवंटन 29-2-88 को स्वीकृत किया गया है ।

धारावाहिकों में हिन्दी शब्दों और वाक्यों का विकृत किया जाना

2521. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय को हाल ही में एक सांसद का इस आशय का कोई पत्र प्राप्त हुआ है कि दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किए जा रहे धारावाहिकों में हिन्दी शब्दों और वाक्यों को विकृत करने का कार्य सतत् रूप से चल रहा है और तथ्यों को भी हास्यास्पद ढंग से विकृत किया गया और गलत ढंग से पेश किया गया ;

(ख) क्या यह सच है कि इस प्रकार की गलती अंग्रेजी कार्यक्रमों में नहीं की जाती है ; और

(ग) सरकार इस संबंध में क्या व्यवस्था करने का विचार रखती है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० के० एस० भगत) : (क) जी, हां ।

(ख) जी नहीं । किसी भी भाषा के कार्यक्रम में अशुद्धियां हो सकती हैं ।